बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग, बिहार, पटना

आवश्यक सूचना

आयोग द्वारा विज्ञापन संख्या–01/2019 के अंतर्गत पुलिस अवर निरीक्षक एवं अन्य पदों की रिक्तियों पर नियुक्ति हेतु दिनांक–22.12.2019 को प्रारंभिक परीक्षा ली गयी थी जिसका परीक्षाफल दिनांक–28.01.2020 को जारी किया गया जिसमें 50072 अभ्यर्थी सफल घोषित किए गये । मुख्य परीक्षा दिनांक–26.04.2020 को निर्धारित है तथा अभ्यर्थियों को प्रवेश–पत्र अप्रैल माह के प्रथम सप्ताह में जारी कर दिया जायेगा ।

विगत कुछ दिनों से प्रारंभिक परीक्षा में **असफल अभ्यर्थी दिलीप कुमार, रौल नम्बर–4029050347 जन्म तिथि–04.12.1983 (उम्र लगभग 37 वर्ष), पिता–रामबिहारी यादव, ग्राम–महमदपुर, जिला–दरभंगा, चार–पाँच अन्य** असफल अभ्यर्थियों के साथ मिलकर परीक्षा में धांधली होने की झूठे, निराधार एवं तथ्यहीन आरोप लगाकर सर्वसाधारण को दिग्भ्रमित करने की मुहिम चला रहे हैं । इनलोगों के द्वारा प्रश्न–पत्र लीक होने का दुष्प्रचार एवं झूठी अफवाह फैलाकर सी0बी0आई0 जाँच की मांग की जा रही है ।

उक्त असफल अभ्यर्थी दिलीप कुमार के द्वारा कुछ सोशल मीडिया तथा यू–ट्यूब के लिंक पर अपलोड किये गये प्रायोजित वीडियो के माध्यम से नित्य प्रतिदिन दारोगा बहाली में बड़े पैमाने पर सेटींग होने तथा अन्य प्रकार के भ्रामक एवं तथ्यहीन बातों को प्रचारित एवं प्रसारित किया जा रहा है । श्री दिलीप कुमार द्वारा यह दावा किया जा रहा है कि परीक्षा परिणाम में 60 प्रतिशत (लगभग तीस हजार) अभ्यर्थी सेटींग के द्वारा सफल हुये हैं । यदि यह बात सही है तो श्री दिलीप कुमार ऐसे किसी भी एक अभ्यर्थी का नाम सार्वजनिक करें, जो सेटींग से प्रारंभिक परीक्षा में सफल हुआ हो ।

सोशल मीडिया तथा जुलूस/प्रदर्शन के माध्यम से फैलाये जा रहे भ्रम एवं दुष्प्रचार का खण्डन आयोग समय समय पर करता रहा है । इस क्रम में दिनांक–06.02.2020 को 'महत्वपूर्ण सूचना' के रूप में राज्य के सभी प्रमुख समाचार–पत्रों में जानकारी दी गयी थी जो कि आयोग के वेबसाईट पर भी उपलब्ध है ।

अध्यक्ष, बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग द्वारा दिनांक–22.02.2020 को प्रेस–वार्ता कर सर्वसाधारण को वस्तुस्थिति से अवगत कराया गया था । मुख्यतः जिस मोबाइल के स्क्रीन शॉट तथा उसकी फोटो कॉपी को आधार बनाकर प्रश्न–पत्र लीक की जाँच की मांग की जा रही है वह किस मोबाइल नम्बर से उन्हें प्राप्त हुआ इसकी सूचना आयोग को देने के लिए कहा गया था परन्तु आज तक संबंधित जानकारी नहीं दी गयी है ।

यू–ट्यूब पर तथाकथित न्यूज चैनल जैसे पॉलिटिकल एक्सप्रेस, एच.एस. बिहार, झकास भारत, न्यूज फोर भारत आदि भी श्री दिलीप कुमार के साथ मिलकर दारोगा भर्ती परीक्षा को रद्द कराने की मुहिम चला रहे हैं, जैसा कि उनके न्यूज कन्टेंट को देखने से बोध होता है । ऐसा लगता है कि ये सभी न्यूज तथा वीडियो किसी षडयंत्र के अंतर्गत विशेष तौर पर बनाए जा रहे हैं ।

वहीं दूसरी तरफ यू–ट्यूब पर कोचिंग क्लासेस चलाने वाले कुछ व्यक्ति भी असफल अभ्यर्थी दिलीप कुमार को सहयोग देकर दारोगा परीक्षा को रद्द कराने की मुहिम चला रहे हैं, उदाहरण स्वरूप यू–ट्यूब चैनल राणा क्लासेस चलाने वाले श्री राणा रणजीत कुमार बिहार सरकार के कर्मचारी हैं पर अपने बनाए वीडियो के माध्यम से बिहार सरकार की आलोचना करते रहते हैं तथा दारोगा भर्ती परीक्षा को रद्द कराने की मुहिम में शामिल हैं । यह मात्र एक उदाहरण है, ऐसे कई कोचिंग क्लासेस चलाने वाले इस दुष्प्रचार में सक्रिय हैं । आयोग ऐसे सभी दुष्प्रचार करने वालों पर गहरी नजर बनाये हुए है जिन पर समय आने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी ।

उपरोक्त तथ्यों के आलोक में सर्वसाधारण से अनुरोध है कि ऐसे निराधार एवं बेबुनियाद दुष्प्रचारों से दिग्भ्रमित न हों । आयोग निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण करने हेतु कटिबद्ध है ।

विशेष कार्य पदाधिकारी
बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग,
बिहार, पटना ।